## खबरों में रहे स्टॉक

### अरबिंदो फार्मा

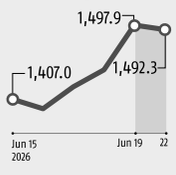


अमेरिकी सहायक कंपनी को लैनेट कंपनी खरीदने के लिए मिली एफटीसी की मंजूरी

₹ 1,497.9 पिछला बंद भाव
₹ 1,492.3 आज का बंद भाव
-0.4 % ▼

### ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस

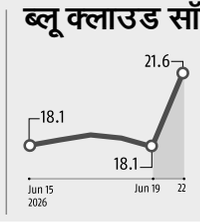


स्पेसएक्स इंटरनैशनल संग शुरुआती एआई तकनीक के मौकों का कर रही मूल्यांकन

₹ 18.1 पिछला बंद भाव
₹ 21.6 आज का बंद भाव
19.8 % ▲

### टेक्समैको रेल ऐंड इंजीनियरिंग

जेएसडब्ल्यू साउथ रेल लॉजिस्टिक से 253 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला

₹ 109.5 पिछला बंद भाव
₹ 113.4 आज का बंद भाव
3.6 % ▲

### ब्रह्मपुत्र इन्फ्रास्ट्रक्चर

मिजोरम में पीडब्ल्यूडी हाईवे के लिए सबसे कम बोली वाली कंपनी के रूप में सामने आई

₹ 160.3 पिछला बंद भाव
₹ 164.4 आज का बंद भाव
2.6 % ▲

### एशियन एनर्जी सर्विसेज

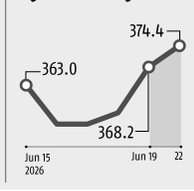


गुजरात पावर से 188 करोड़ रुपये मूल्य का ईपीसी का ठेका हासिल किया

₹ 368.2 पिछला बंद भाव
₹ 374.4 आज का बंद भाव
1.7 % ▲

## संक्षेप में

### रेनो इंडिया ने शुरू किया डस्टर का निर्यात

वाहन विनिर्माता रेनो इंडिया ने सोमवार को कहा कि साल की शुरुआत में दोबारा पेश की गई अपने लोकप्रिय एसयूवी मॉडल डस्टर का उसने निर्यात करना शुरू कर दिया है। फ्रांस की वाहन कंपनी रेनो ग्रुप की भारतीय इकाई ने एक बयान में कहा कि भारत में निर्मित 750 डस्टर वाहनों की पहली खेप चेन्नई से दक्षिण अफ्रीका भेजी गई है। इसके साथ ही नई डस्टर के लिए रेनो इंडिया के निर्यात कार्यक्रम की शुरुआत हो गई है। कंपनी की आने वाले महीनों में अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी इस एसयूवी मॉडल का निर्यात शुरू करने की योजना है। रेनो ग्रुप इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) स्टेफन डेब्लेज ने डस्टर के निर्यात की शुरुआत पर कहा कि यह चेन्नई स्थित विनिर्माण संयंत्र की गुणवत्ता, क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मकता की पुष्टि करता है। *भाषा*

### डेलिवरी गिग वर्कर को देगी दुर्घटना बीमा

लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता डेलिवरी ने सोमवार को अपने एक लाख अस्थायी कर्मचारियों (गिग वर्कर) के लिए 15 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, परिवार के लिए स्वास्थ्य कवर और बच्चों के लिए छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं देने की घोषणा की। कंपनी ने बयान में व्यापक कल्याण कार्यक्रम 'अभयम' शुरू करने की घोषणा करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा गिग वर्कर वित्तीय रूप से सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं और एक बार अस्पताल में भर्ती होने से उनकी महीनों की कमाई खत्म हो सकती है। डेल्हीवरी ने कहा कि 'अभयम' कार्यक्रम इन जोखिमों को कम करने के लिए व्यापक सहायता ढांचा प्रदान करता है। कार्यक्रम में दुर्घटना बीमा के अलावा स्वास्थ्य बीमा और आमदनी में नुकसान से सुरक्षा शामिल है, ताकि सड़क पर किसी अप्रत्याशित घटना से आर्थिक संकट न पैदा हो। *भाषा*

### नायरा एनर्जी के पंपों की संख्या 7,000 पार

रूस की रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी ने भारत में अपने पेट्रोल पंप की संख्या 7,000 के पार पहुंचाते हुए निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी ईंधन खुदरा विक्रेता के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। कंपनी के तेजी से विस्तार के बीच शहरों, राजमार्गों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी ईंधन की उपलब्धता बढ़ गई है। कंपनी द्वारा जारी बयान के अनुसार पिछले 18 महीनों में 500 से अधिक नए पेट्रोल पंप शुरू किए गए हैं। यह औसतन प्रतिदिन लगभग एक नए केंद्र के संचालन के बराबर है। इस विस्तार के माध्यम से कंपनी देशभर में अपने खुदरा नेटवर्क को मजबूत बनाने के साथ-साथ उन क्षेत्रों तक भी पहुंच बढ़ा रही है, जहां ईंधन अवसंरचना अभी विकास की प्रक्रिया में है। *भाषा*

# पीएलआई आवेदनों में देर पर सायम ने सरकार को लिखे पत्र

**दीपक पटेल**
नई दिल्ली, 22 जून

ऑटो कंपनियों ने वाहन क्षेत्र की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत कई नए आवेदनों और पुनः सत्यापन के अनुरोधों को रोककर रखा हुआ है। इसकी वजह यह है कि भारी उद्योग मंत्रालय और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) ने अभी तक चालू वित्त वर्ष के लिए इस योजना के दायरे में आने वाले वाहनों में घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) की गणना के लिए विनिमय दर को अंतिम रूप नहीं दिया है।

बिज़नेस स्टैंडर्ड को पता चला है कि इस मसले पर उद्योग की चिंता को दर्शाते हुए सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) ने पिछले महीने दो बार सरकार को पत्र लिखा और शीघ्र निर्णय लेने का अनुरोध किया है।

वाहन विनिर्माताओं ने पीएलआई योजना के तहत डीवीए गणना के लिए प्रचलित बाजार दरों के बजाय पिछले वर्षों की औसत विनिमय दरों का उपयोग करने की मांग की है। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण रुपये का अवमूल्यन हुआ जिससे डीवीए के स्तर कृत्रिम रूप से कम हो गए हैं। लिहाजा, इस प्रोत्साहन के दावे के दौरान कुछ उत्पाद आवश्यक सीमा से नीचे रह सकते हैं।

विदेशी मुद्रा दर के मसलों की वजह से पीएलआई के आवेदनों में देर हो रही है

25,938 करोड़ रुपये की इस ऑटो पीएलआई योजना में पात्र होने के लिए किसी वाहन के मॉडल में आयात की गई सामग्री की मात्रा 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए यानी उसकी कुल कीमत (रुपये में) के आधे से कम हिस्से का ही आयात किया जा सकता है। डीवीए की गणना मॉडल की एक्स-फैक्टरी कीमत में से आयातित सामग्री की कीमत घटाकर की जाती है।

इस मामले में सायम ने 3 जून को भारी उद्योग मंत्रालय को अपना पहला पत्र भेजा और फिर 17 जून को एआरएआई को दूसरा पत्र भेजा। एआरएआई भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।

सायम ने 3 जून के अपने पत्र में कहा कि इस योजना के शुरुआती दौर में डॉलर की विनिमय दर लगभग 82 से 83 रुपये प्रति डॉलर (वित्त वर्ष 23 के स्तर पर) थी, जो अब बढ़कर लगभग 96 रुपये प्रति डॉलर हो चुकी है। यानी इसमें करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसमें यह भी कहा गया है कि इसके अलावा विनिर्माताओं को उन आयातित पुर्जों और प्रणालियों की बढ़ी हुई लागत का भी सामना करना पड़ रहा है जो स्थानीय स्तर पर उपलब्ध नहीं होती हैं।

सायम ने कहा कि पिछली तीन तिमाहियों में विदेशी मुद्रा की दरों में आए ऐसे अभूतपूर्व उतार-चढ़ाव और पुर्जों की लागत में बढ़ोतरी का असर डीवीए की गणना पर पड़ रहा है, भले ही कंपनियों ने स्थानीयकरण को बढ़ा दिया हो। उन कारणों से डीवीए नियमों के पालन पर इसका 'अनचाहा बुरा असर' पड़ रहा है जो वाहन विनिर्माताओं के नियंत्रण से बाहर हैं।

उद्योग के संगठन ने भारी उद्योग मंत्रालय की ओर से मई 2022 में जारी एक स्पष्टीकरण का भी जिक्र किया। इसमें माना गया था कि मुद्रा में उतार-चढ़ाव या कच्चे माल की कीमतों में बदलाव की वजह से डीवीए के स्तर गिर सकते हैं, भले ही कंपनी की आपूर्ति श्रृंखला में कोई बड़ा बदलाव न हुआ हो।

इस समस्या को हल करने के लिए सायम ने सरकार से अनुरोध किया है कि वह मौजूदा वित्त वर्ष के लिए नए आवेदनों और पुनः सत्यापन वाले उत्पादों के मामले में योजना की अवधि की शुरुआत में लागू विनिमय दर पर विचार करे। उस समय रुपया प्रति डॉलर लगभग 82 से 83 के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एआरएआई को 17 जून को भेजे गए अपने पत्र में सायम ने निश्चित विनिमय दर तय करने के लिए एक अलग तरीका सुझाया है।

# मेटा ने क्रेड में लगाए 90 करोड़ डॉलर

**शिवानी शिंदे और अजिंक्य कावले**
मुंबई/पुणे, 22 जून

**मेटा** ने आज फिनटेक फर्म क्रेड में 90 करोड़ डॉलर के निवेश का ऐलान किया। साथ ही इसके संस्थापक कुणाल शाह को व्हाट्सऐप का नया वैश्विक प्रमुख नियुक्त किया गया है। इस कदम से सोशल मीडिया दिग्गज के लिए भारत के रणनीतिक महत्त्व का पता चलता है।

इस निवेश के साथ मेटा को क्रेड में अल्पांश हिस्सेदारी मिलेगी। इसके बाद कंपनी का मूल्यांकन 4.5 अरब डॉलर (43,239 करोड़ रुपये) हो जाएगा। यह क्रेड का रकम जुटाने का 'एच' दौर है और इसमें प्राथमिक तथा द्वितीयक शेयर खरीद का संयोजन है। शेयर बाजार में सूचीबद्धता की दिशा में बढ़ने से पहले यह कंपनी द्वारा रकम जुटाने का अंतिम दौर हो सकता है।

विल कैथकार्ट की जगह शाह का वैश्विक प्रमुख बनना बाजार के तौर पर भारत की अहमियत बताता है। यहां व्हाट्सऐप के सबसे ज्यादा उपयोगकर्ता हैं। साथ ही मेटा एक ऐसे भारतीय उद्यमी पर दांव लगा रही है जिसने दो सफल कारोबार तैयार किए है। हाल में एक फिनटेक कंपनी और उससे पहले फ्रीचार्ज, जो प्रमोशनल ऑफर से जुड़ी थी।

रकम जुटाने का सीरीज एच का यह दौर क्रेड को तेजी से बढ़ने,

कुणाल शाह को व्हाट्सऐप का वैश्विक प्रमुख बनाया गया है

मजबूत संस्थागत ढांचा बनाने तथा अपने नेतृत्व को और बढ़ाने में मदद करेगा। कुणाल मेटा की वैश्विक नेतृत्व टीम में शामिल होंगे। वह भारत की सिलिकन वैली बेंगलूरु से मेटा के कैलिफोर्निया के मेनलो पार्क स्थित वैश्विक मुख्यालय चले जाएंगे।

20 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ मेटा को भारतीय फिनटेक तंत्र में भी पैर जमाने की जगह मिल गई है। मई 2026 तक यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) तंत्र में बाजार हिस्सेदारी के मामले में व्हाट्सऐप नौवें स्थान पर है। हालांकि व्हाट्सऐप ने साल 2020 में अपने उपयोगकर्ताओं के लिए यूपीआई की पेशकश के साथ भारत के भुगतान सेवा क्षेत्र में प्रवेश किया था, लेकिन उपयोगकर्ताओं को जोड़ने के मामले में कुछ सीमाएं थीं। एनपीसीआई ने व्हाट्सऐप पे को यूपीआई पर सिलसिलेवार तरीके से आने की अनुमति दी।

# इन्फो एज ने किया 50 से अधिक एआई, डीप-टेक फर्मों में निवेश

**उदिशा श्रीवास्तव**
नई दिल्ली, 22 जून

**नौकरी** डॉट कॉम की मूल कंपनी इन्फो एज देश के आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और डीप-टेक तंत्र के शुरुआती समर्थकों में से एक के रूप में उभरी है। कंपनी साल 2020 से 50 से अधिक स्टार्टअप कंपनियों में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर चुकी है।

शेयरधारकों के लिखे पत्र में इन्फो एज ने कहा कि उसने अब तक 28 एआई स्टार्टअप कंपनियों में 614 करोड़ रुपये और 30 डीप-टेक स्टार्टअप कंपनियों में 455 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कंपनी ने यह जानकारी सोमवार को शेयर बाजार को भी भेजी है।

इसके एआई पोर्टफोलियो में उद्यम एआई, उपभोक्ता एआई और एआई अवसंरचना के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियां शामिल हैं। फिलहाल 614 करोड़ रुपये के निवेश के मुकाबले इस पोर्टफोलियो का मूल्य 1,268 करोड़ रुपये है। यानी निवेश की गई पूंजी पर 2.1 गुना मल्टीपल और लगभग 31 प्रतिशत की अनुमानित सकल आंतरिक रिटर्न दर (आईआरआर)।

दूसरी ओर डीप-टेक पोर्टफोलियो में रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, स्पेस-टेक, बायो-टेक और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी स्टार्टअप कंपनियां शामिल हैं। इस पोर्टफोलियो का मूल्य 455 करोड़ रुपये के निवेश के मुकाबले 559 करोड़ रुपये है। यानी निवेश का 1.2 गुना मल्टीपल है और इसका अनुमानित सकल आईआरआर लगभग 15 प्रतिशत है। इन सभी क्षेत्रों में इन्फो एज और उसके द्वारा प्रबंधित वैकल्पिक निवेश फंडों (एआईएफ) ने 135 स्टार्टअप कंपनियों में लगभग 4,900 करोड़ रुपये लगाए हैं। इस पोर्टफोलियो का मौजूदा मूल्य लगभग 41,300 करोड़ रुपये है।

कंपनी ने अब तक 28 एआई स्टार्टअप कंपनियों में 614 करोड़ रुपये और 30 डीप-टेक स्टार्टअप कंपनियों में 455 करोड़ रुपये का निवेश किया है

कंपनी ने कहा, 'हमारा मानना है कि भविष्य में मूल्य सृजित करने का काम मुख्य रूप से तीन थीम - एआई, डीप-टेक और उपभोक्ता तकनीक से होगा क्योंकि एआई से स्टार्टअप और पहले से स्थापित इंटरनेट कारोबारों, दोनों में ही बड़े बदलाव आने की उम्मीद है। हमारी नजर में भारत एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जहां वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक तकनीकी कंपनियां अधिकाधिक भारत में ही बनेंगी, वे केवल भारत के लिए नहीं होंगी।'

इन्फो एज के अनुसार उसकी 28 एआई स्टार्टअप कंपनियों में से 15 और 30 डीप-टेक स्टार्टअप कंपनियों में से 13 ने पहले ही इनसाइट पार्टनर्स, पीक 15, एसआईजी, वर्टेक्स जैसी निवेशकों से फॉलो-ऑन फंडिंग के दौर में रकम जुटा ली है।

इन्फो एज ने यह भी बताया कि उसकी कई पोर्टफोलियो कंपनियों को सरकारी कार्यक्रमों के तहत भी मदद मिली है।

## सवाल जवाब

# चिप और डेटा सेंटर से आएगी लॉजिस्टिक की अगली उछाल

**आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई), बुनियादी ढांचा विकास, सेमीकंडक्टर विनिर्माण, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और हवाई अड्डों का विस्तार अगले दशक में भारत के लॉजिस्टिक क्षेत्र के लिए अहम अवसर पैदा करेंगे। यह कहना है कि ब्लू डार्ट एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक और ब्लू डार्ट एविएशन के निदेशक मंडल के सदस्य बाल्फोर मैन्युल का। मुंबई में प्राची पिसाल के साथ इंटरव्यू में उन्होंने लॉजिस्टिक, विनिर्माण-आधारित विकास और उद्योग में एआई की बढ़ती भूमिका के बारे में चर्चा की। प्रमुख अंश ...**

**आप ब्लू डार्ट एविएशन के 30 साल का जश्न मना रहे हैं। आपकी बेड़ा विस्तार की क्या योजनाएं हैं?**

वर्तमान में हम आठ बोइंग विमानों का संचालन कर रहे हैं। हर रात हम लगभग 74 जगहों को जोड़ते हैं। वायु और जमीनी परिचालन एक-दूसरे के पूरक नेटवर्क के तौर पर काम करते हैं। बेड़े का विस्तार मात्रा, मांग और लाभ पर निर्भर करता है। 12 साल पहले भारत में 74 से 75 हवाई अड्डे थे। आज लगभग 165 हवाई अड्डे हैं। साल 2030 तक यह संख्या 250 और बाद में 300 तक पहुंच सकती है। साल 2047 तक भारत में 400 से 500 हवाई अड्डे हो सकते हैं। यह विस्तार छोटे और उभरते बाजारों को आपूर्ति के अवसर देता है। बेड़ा विस्तार का हर निर्णय हमारी आमदनी, लाभ, लैंडिंग अधिकार, टर्नअराउंड समय और निरंतर मांग से संबंधित आवश्यकताओं के हिसाब से होगा।

**क्या पश्चिम एशिया जंग का ब्लू डार्ट के समूचे कारोबार पर कोई असर हुआ है?**

सचमुच नहीं। मांग जोरदार बनी हुई है। मुख्य असर लागत पर पड़ता है, विशेष रूप से ऊर्जा और ईंधन पर। हम ईंधन संबंधी इस वृद्धि को फ्लोटिंग तंत्र के माध्यम से ग्राहकों पर डालते हैं। जब ईंधन की कीमतें बढ़ती हैं, तो दामों का रुख ऊपर की ओर चला जाता है। जब कीमतें गिरती हैं, तो दाम नीचे आ जाते हैं। इस तरह ईंधन सीधे हमारे मार्जिन पर असर नहीं डालता है। बेशक हमें अपनी समूची इकाई लागत को कम करने के लिए लगातार काम करना होगा, लेकिन ईंधन संबंधी वृद्धि मूल्य समायोजन के जरिये काफी हद तक बेअसर हो जाती है।

**भारत की विनिर्माण महत्त्वाकांक्षाओं को आप कैसे देखते हैं और क्या बदलाव देख रहे हैं?**

हम कई उत्साहजनक शुरुआत देख रहे हैं। एक क्षेत्र जो हमें विशेष रूप से आकर्षित करता है, वह है सेमीकंडक्टर और चिप विनिर्माण क्योंकि ये अधिक मूल्य वाले उत्पाद हैं जहां गति और विश्वसनीयता बहुत मायने रखती है। एआई में निवेश से हमें प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों ही तरह से लाभ होता है। डेटा सेंटर एक अन्य बड़ा अवसर है। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण भी बढ़ रहा है। एक अन्य सकारात्मक बात एफटीए पर हस्ताक्षर हैं। जैसे-जैसे इन समझौतों के तहत और अधिक उत्पाद भारत में आ रहे हैं, उनका सुव्यवस्थित वितरण अहम होता जा रहा है।

**आपके पूंजीगत व्यय का कितना हिस्सा प्रौद्योगिकी में केंद्रित है?**

हमारा पूंजीगत व्यय मोटे तौर पर तीन प्रमुख स्तंभों - प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचा और विमानन में है। हमारे निवेश का एक-तिहाई से अधिक हिस्सा प्रौद्योगिकी संबंधित कार्यक्रमों पर केंद्रित है। लॉजिस्टिक कंपनियों के संचालन के तरीके में प्रौद्योगिकी तेजी से अहम होती जा रही है और आगे चलकर यह प्रवृत्ति बढ़ेगी ही।

**भारत के ई-कॉमर्स बाजार को आप किस तरह देखते हैं?**

ई-कॉमर्स वर्तमान में हमारा सबसे तेजी से बढ़ता क्षेत्र है। कई महीनों में हमने व्यापक ई-कॉमर्स बाजार से भी तेज वृद्धि की है।

**सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया**
**Central Bank of India**
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

**अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना**

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बोली संख्या **GeM/2026/B/7690863** द्वारा **"AMC of existing CISCO Devices (VC End Points, Video IP Phones and IP Phones) and Procurement of CISCO Servers for VC, VC End Points & IP Phones"** के लिए ई-बोली आमंत्रित की जाती है। **GeM** पोर्टल पर निविदा जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक **14.07.2026** को **15:00** बजे तक है। अधिक जानकारी के लिए बैंक ही वैबसाइट **www.centralbank.bank.in** पर विजिट करें।

**मुख्य व्यवस्थापक-आईटी**

**बैंक ऑफ़ बड़ौदा**
**Bank of Baroda**

**ई-नीलामी बिक्री सूचना**
आरओएसएआरबी, सूरत अंचल, पहली मंजिल, बैंक ऑफ बड़ौदा, उधना उद्योग व्यापार संघ के सामने, जीआईडीसी उधना, सूरत-394210 । दूरभाष: 9499555022

**दिनांक: 28.07.2026**
समय: अपराह्न 2.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक

**वित्तीय सम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित के प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 6(2) एवं 8(6) के प्रावधान के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना**

एतद्द्वारा आम तौर पर जनसाधारण तथा विशेष रूप से कर्जदार(ों) / गिरवीदाता तथा गारंटर(ों) को सूचना दी जाती है कि नीचे उल्लेखित अचल/चल सम्पत्तियां प्रत्याभूत ऋणदाता के पास गिरवी रखी गई/प्रभारित की गई है, जिस पर बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रत्याभूत ऋणदाता के अधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा कर लिया गया है, जिसे नीचे उल्लेखित खातों से संबंधित बकाया रकम की वसूली के लिए **"जैसे है जहां है", "जैसे है जो कुछ है", "वहां जो कुछ है" तथा "बिना किसी दायित्व"** के आधार पर बिक्री की जाएगी। चिन्हित की गई किसी भी बकाया रकम के भुगतान करने की जिम्मेदारी क्रेता पर होगी, इस संबंध में बैंकर पर कोई भी दायित्व नहीं होगा

| क्र. सं. | कर्जदारों/गारंटरों/ गिरवीदाताओं के नाम | सम्पत्ति का स्वत्वाधिकारी | सम्पत्ति का विवरण | बकाया लाख में + ब्याज एवं शुल्क (घटाव वसूल की गई कोई भी रकम) | आरक्षित मूल्य ईएमडी (लाख में) | सम्पत्ति की प्रकृति | कब्जा का प्रकार |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01. | मैसर्स हरे कृष्ण सिल्क मिल्स स्वत्वाधिकारी राजीव अग्रवाल | श्री ओम प्रकाश अग्रवाल पुत्र कन्हैयालाल अग्रवाल | पट्टा सं. 63, वार्ड सं. 34 नया (पुराना 28) मोहल्ला शेखपुरा, डॉ. इंदराज सिंह के मकान के निकट, मोहल्ला खतियान, तहसील एवं जिला सीकर, राजस्थान में स्थित 200.00 वर्ग यार्ड परिमाप की आवासीय भूमि एवं भवन, यह श्री ओमप्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री कन्हैया लाल अग्रवाल से संबंधित है, प्लॉट की चौहद्दी निम्नानुसारः पूर्वः भगवती देवी की सम्पत्ति (वर्तमान स्वत्वाधिकारी ओमप्रकाश अग्रवाल), पश्चिमः राजेन्द्र की सम्पत्ति, उत्तरः गिजराज जिनोदिया एवं सुशील जिनोदिया की सम्पत्ति, दक्षिणः नटवर लाल अग्रवाल का नोहरा<br>एवं<br>पट्टा सं. 63, वार्ड सं. 34 नया (पुराना 28) मोहल्ला शेखपुरा, डॉ. इंदराज सिंह के मकान के निकट, मोहल्ला खतियान, तहसील एवं जिला सीकर, राजस्थान में स्थित 200.00 वर्ग यार्ड परिमाप की आवासीय भूमि एवं भवन का द्वितीय भाग, यह श्री ओमप्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री कन्हैया लाल अग्रवाल से संबंधित है, प्लॉट की चौहद्दी निम्नानुसारः पूर्वः सार्वजनिक रास्ता, पश्चिमः संजय कुमार का प्लॉट, उत्तरः गिजराज जिनोदिया एवं सुशील जिनोदिया की सम्पत्ति, दक्षिणः नटवर लाल अग्रवाल का नोहरा। | 104.62 लाख + ब्याज एवं वैध शुल्क | 225.00 | आवासीय मकान | भौतिक |
| 02. | मैसर्स अन्नापूर्णा फैशन स्वत्वाधिकारी सुमित्रा ओम प्रकाश अग्रवाल | | | 97.68 लाख + ब्याज एवं वैध शुल्क | 22.50 | | |
| 03. | मैसर्स सान्या टेक्सटाइल स्वत्वाधिकारी पूजा राजीव अग्रवाल | | | 97.60 लाख + ब्याज एवं वैध शुल्क | | | |

**सरफेसी अधिनियम के अधीन कर्जदार/गारंटर/गिरवीदाता के लिए 30 दिनों की वैधानिक बिक्री सूचना**
न्यूनतम बोली वृद्धि रकम रु. 1,00,000/- (रु. एक लाख मात्र) । निरीक्षण शुरू होने की तारीखः 01/07/2026

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया वेबसाइट लिंक **https://www.bankofbaroda.bank.in/e-auction.htm** तथा ऑनलाइन नीलामी पोर्टल **https://baanket.com** देखें/अवलोकन करें। प्रत्याशित बोलीदातागण अधिकृत अधिकारी से मोबाइल नं. 9499555022 पर भी सम्पर्क कर सकते हैं।
(इस नीलामी सूचना के अंग्रेजी संस्करण तथा अन्य किसी भी भाषा वाले संस्करण के बीच किसी भी तरह की विसंगति रहने पर, अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा)

तारीख : 23/06/2026 | स्थान : सूरत | सम्पत्ति के लिए सम्पर्क करें : श्री प्रमोद कुमार : 9499555022 अधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

इसे स्कैन करें
विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए

**जयपुर संस्करण :** बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा पृथ्वीस दास, डी.बी. कॉर्प लिमिटेड 10, जेएलएन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर - 302015 से मुद्रित एवं बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, सी/ओ आरना कोवर्किंग ऐंड बिज़नेस हब, सी-31, प्रथम तल, पंकज सिंघवी मार्ग, लालकोठी, जयपुर - 302005 से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल, पीआरजीआई रजिस्ट्रेशन नं. RJHIN/25/A1419 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं